समाचार वाणी

ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

‘घायल हूं, इसीलिए घातक हूं’, राघव चड्ढा ने फिर जारी किया वीडियो, AAP के तीन आरोपों का दिया जवाब राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि आप मेरे पार्लियामेटं के चार साल का ट्रैक रिकॉर्ड उठाकर देख लीजिए। जो पार्लियामेटं टैक्सपेयर के पैसे से चलती है, मै उंन टैक्सपेयर के मुद्दे उठाने गया हूं। Written by Vivek Awasthi नई दिल्ली Updated:April 4, 2026 16:27 IST Raghav Chadha: राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा। (फेसबुक) को गूगल पर फेवरेट बनाएँ राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने फिर से एक वीडियो जारी किया है। जिसमे उंन्होंने कहा कि कल से मेरे खिलाफ स्क्रिप्टेड कैपेंन चलाया जा रहा है। जिसमे एंक जैसी भाषा, एक जैसी बाते और एक जैसे आरोप है। उन्होंने कहा कि एक कोई संयोग नहीं, बल्कि कोऑर्डिनेटेड अटैक है। पहले मैनें सोचा इसका जवाब मुझे नहीं देना चाहिए, फिर लगा एक झूठ को सौ बार बोला जाए तो कहीं लोग मान न ले। इसलिए मैनें सोचा जवाब दूं। राघव चड्ढा ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने तीन आरोप लगाते हुए यह कहा कि इन तीन आरोपों की वजह से हम राघव चड्ढा को पार्लियामेटं मे बोलने का मौका नहीं देगें। राघव चड्ढा के पार्लियामेटं बोलने पर रोक इसलिए लगाई गई कि उन्होंने ये तीन गलतियां कीं। राघव चड्ढा ने कहा कि मै इंन तीन मुद्दों पर आप लोगों से बात करना चाहता हूं। AAP के पहले आरोप का राघव ने दिया जवाब चड्ढा ने कहा कि पहला आरोप जो मेरे ऊपर लगाया गया, वो है- जब अपोजिशन पार्लियामेटं से वॉकआउट करता है को राघव चड्ढा वहीं बैठे रहते है, वो वॉकआउट नहीं करते है। राघव चड्ढा ने कहा कि यह सरासर, सफेद झूठ है। उन्होंने कहा कि मै चुंनौती देता हूं कि एक दिन ऐसा बताइए, जब ऑपोजिशन ने वॉकआउट किया हो और मैनें उनका साथ न दिया हो और मैनें उनका साथ वॉकआउट न किया हो। चड्ढा ने कहा कि पार्लियामेटं मे तो हर जगह सीसीटीवी कैमरा है। आप सीसीटीवी कैमरा निकालकर दिखा दीजिए। दूध का दूख और पानी का पानी हो जाएगा। STORIES YOU MAY LIKE राघव चड्ढा बताएं जनता के मुद्दों पर मोदी सरकार के खिलाफ बोलने से क्यों डरते है ?: आम आदमी पार्टी दिल्ली मे नंवबर से भारी वाहनों के प्रवेश पर नई पाबंदियां, यहां जाने हंर डिटेल सेना की कार्रवाई के दौरान कश्मीरी व्यक्ति की मौत पर मीरवाइज ने उठाए सवाल, जाने क्या कहा दूसरे आरोप का जवाब उन्होंने कहा कि दूसरा आरोप लगाया कि राघव चड्ढा ने चीफ इलेक्शन कमीशनर को हटाने वाली जो याचिका थी, उस पर साइन करने

से मना कर दिया ? राघव चड्ढा ने कहा कि यह आम आदमी पार्टी का दूसरा सफेद झूठ है। राघव ने कहा कि मुझे आम आदमी पार्टी के किसी नेता मुझे इस साइन करने के लिए नहीं कहा। न तो औपचारिक तौर पर और न ही अनौपचारिक तौर पर कहा। राघव चड्ढा ने कहा कि आम आदमी पार्टी के राज्यसभा मे कुंल 10 सांसद है। जिनमे से छह या सात सांसदों ने इस मोशन पर खुद ही साइन नहीं किए। तो भला इसमे मेरी क्या गलती है। इसका सारा दोष मुझ पर ही क्यों मढ़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस मोशन के लिए राज्यसभा मे कुंल 50 सिग्नेचर की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा मे विपक्ष के कुल 105 सांसद है। उनमे से मात्र 50 विपक्षी सांसदों के सिग्नेचर से यह याचिका पूरी हो जाती है तो फिर इतना सोर क्यों ? तीसरे आरोप का भी दिया जवाब राघव चड्ढा ने कहा कि तीसरा आरोप आम आदमी पार्टी ने जो मुझ पर लगाया वो यह था कि राघव चड्ढा डर गए है। इसलिए वो बेकार के मुद्दे उठाते है। चड्ढा ने कहा कि पहली बात यह है कि मै पार्लियामेटं मे सोर मचाने, चीखने, चिल्लाने, माइक तोड़ने या गाली देने नहीं गया हूं। मै वहां पर जनता के मुद्दे उठाने गया हूं। लोगों की बात करने गया हूं। राघव चड्ढा ने पूछा कि और मैनें कौन सा मुद्दा नहीं उठाया है। मैनें जीएसटी से लेकर इनकम टैक्स तक की बात की। पंजाब के पानी से लेकर दिल्ली की हवा का मुद्दा उठाया। सरकारी स्कूलों की हालत से लेकर कैसे पब्लिक हेल्थ के इंस्टीट्यूशन को मजबूत किया जाए। इंडियन रेलवे मे जो पैसेजर ट्रैवल करते है उनकी समस्याएं रखीं। यहां तक की मेस्ट्रुअल हेल्थ का मुद्दा उठाया, जिसके बारे मे लोग बात करने से कतराते है। वो बाते रखी। बेरोजगारी से लेकर महंगाई तक तमाम बाते उठाईं। 'मै घायल हूं, इसीलिए घातक हूं' उन्होंने कहा कि आप मेरे पार्लियामेटं के चार साल का ट्रैक रिकॉर्ड उठाकर देख लीजिए। जो पार्लियामेटं टैक्सपेयर के पैसे से चलती है, मै उन टैक्सपेयर के मुद्दे उठाने गया हूं। राघव ने कहा कि अंत मे केवल मै इतना कहना चाहता हूं कि जो लोग आज मुझ झूठे आरोप लगा रहे है। ऐसे हर झूठ को बेनकाब किया जाए और हर सवाल का जवाब दिया जाए। क्योंकि मै घायल हूं, इसीलिए घातक हूं। राघव चड्ढा को AAP ने डिप्टी लीडर पद से हटाया, क्या पार्टी से भी होगी विदाई ? ये घटनाक्रम करते है बड़ा इशारा आम आदमी पार्टी और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को लेकर सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों मे जो चर्चा काफी दिनों से चल रही थी, वो आखिरकार गुरुवार (2 मार्च, 2026) को सही साबित हुई। चर्चा यह थी कि क्या राघव चड्ढा और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है और वो भाजपा का दामन थाम सकते है, लेकिन यह बात तो आज साफ हो गई कि हां, आम आदमी पार्टी और राघव चड्ढा के बीच रिश्ते ठीक नहीं थे। यही वजह रही कि आज पार्टी ने उन्हे राज्यसभा के डिप्टी लीडर पद से हटाकर साफ कर दिया कि यह महज शिगूफा नहीं, बल्कि वास्तविक कलह थी, लेकिन यह बात अभी साफ नहीं हो सकी है कि क्या वो भाजपा के साथ जाएंगे ? या फिर पार्टी से उनको बाहर का रास्ता दिखा दिया जाएगा।

Sanket Morankar
Published on 04 Apr 2026

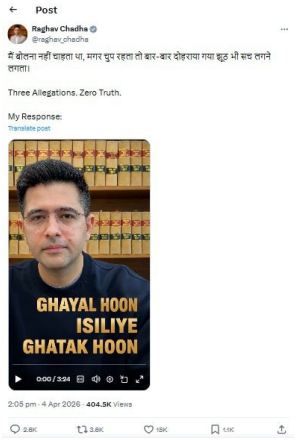

आम आदमी पार्टी (AAP) के भीतर जारी तनातनी के बीच राज्यसभा सांसद Raghav Chadha ने एक बार फिर वीडियो जारी कर पार्टी द्वारा लगाए गए आरोपों पर विस्तार से जवाब दिया है। अपने वीडियो संदेश में चड्ढा ने कहा कि उनके खिलाफ एक “स्क्रिप्टेड और कोऑर्डिनेटेड कैंपेन” चलाया जा रहा है, जिसमें एक जैसी भाषा और आरोपों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

राघव चड्ढा ने कहा कि शुरुआत में उन्होंने इन आरोपों का जवाब देना जरूरी नहीं समझा, लेकिन जब बार-बार एक ही बात दोहराई जाने लगी, तो उन्हें लगा कि सच्चाई सामने रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अगर एक झूठ को बार-बार बोला जाए तो लोग उसे सच मान सकते हैं, इसलिए उन्होंने जवाब देना उचित समझा।

वॉकआउट वाले आरोप को बताया झूठ

चड्ढा ने सबसे पहले उस आरोप का जवाब दिया, जिसमें कहा गया था कि जब विपक्ष संसद से वॉकआउट करता है, तो वह सदन में ही बैठे रहते हैं। इस पर उन्होंने कहा कि यह “सफेद झूठ” है।

उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि अगर कोई एक भी दिन ऐसा साबित कर दे, जब विपक्ष वॉकआउट कर रहा हो और उन्होंने उसका साथ न दिया हो, तो वे जवाब देने को तैयार हैं। उन्होंने यह भी कहा कि संसद में लगे सीसीटीवी कैमरों से सच्चाई आसानी से सामने लाई जा सकती है।

CEC याचिका पर साइन न करने का मामला

दूसरे आरोप में कहा गया था कि उन्होंने चीफ इलेक्शन कमिश्नर (CEC) को हटाने वाली याचिका पर साइन करने से इनकार कर दिया था। इस पर भी राघव चड्ढा ने इसे पूरी तरह झूठ बताया।

उन्होंने कहा कि उन्हें कभी भी इस याचिका पर हस्ताक्षर करने के लिए औपचारिक या अनौपचारिक तौर पर नहीं कहा गया। उन्होंने यह भी बताया कि राज्यसभा में AAP के कुल 10 सांसद हैं, जिनमें से कई सांसदों ने इस प्रस्ताव पर साइन नहीं किए थे। ऐसे में सिर्फ उन्हें ही जिम्मेदार ठहराना गलत है।

चड्ढा ने यह भी स्पष्ट किया कि इस तरह के प्रस्ताव के लिए कुल 50 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं और विपक्ष के पास पर्याप्त संख्या थी, इसलिए इस मुद्दे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है।

‘डर गए हैं’ वाले आरोप पर जवाब

तीसरे आरोप में कहा गया था कि राघव चड्ढा अब सरकार के खिलाफ बोलने से डरते हैं और छोटे-मोटे मुद्दे उठाते हैं। इस पर उन्होंने कहा कि वह संसद में शोर मचाने या हंगामा करने नहीं, बल्कि जनता के मुद्दे उठाने के लिए जाते हैं।

उन्होंने अपने चार साल के संसदीय कार्यकाल का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने जीएसटी, इनकम टैक्स, बेरोजगारी, महंगाई, दिल्ली की हवा, पंजाब के पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और रेलवे यात्रियों की समस्याओं जैसे कई अहम मुद्दे संसद में उठाए हैं।

चड्ढा ने कहा कि वह टैक्सपेयर्स के पैसे से चलने वाली संसद में उन्हीं के हितों की बात करने जाते हैं, न कि सिर्फ राजनीतिक बयानबाजी के लिए।

‘घायल हूं, इसलिए घातक हूं’ बयान

अपने वीडियो के अंत में राघव चड्ढा ने कहा, “मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि जो लोग मुझ पर झूठे आरोप लगा रहे हैं, उनके हर झूठ को बेनकाब किया जाएगा। क्योंकि मैं घायल हूं, इसलिए घातक हूं।”

उनका यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और इसे उनके राजनीतिक रुख के तौर पर देखा जा रहा है।

AAP में अंदरूनी कलह तेज

गौरतलब है कि हाल ही में आम आदमी पार्टी ने Raghav Chadha को राज्यसभा के डिप्टी लीडर पद से हटा दिया था। इसके बाद से पार्टी के भीतर मतभेदों की खबरें लगातार सामने आ रही हैं।

पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक Arvind Kejriwal और राघव चड्ढा के बीच संबंधों को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह विवाद आगे किस दिशा में जाएगा।

फिलहाल, राघव चड्ढा के इस वीडियो ने राजनीतिक माहौल को और गर्म कर दिया है। आने वाले दिनों में AAP के अंदरूनी समीकरण और स्पष्ट हो सकते हैं, जिस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.